



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 18 अक्टूबर, 2021

वशिव खाद्य दविस

प्रत्येक वर्ष वैश्विक स्तर पर 'खाद्य और कृषि संगठन' (FAO) के स्थापना दविस को चहिनति करने के लयि 16 अक्टूबर को 'वशिव खाद्य दविस' मनाया जाता है। यह दविस भूख, कुपोषण, खाद्य स्थिरता एवं खाद्य उत्पादन हेतु जागरूकता बढ़ाने पर ज़ोर देता है। इस वर्ष के वशिव खाद्य दविस का वषिय है- 'सवस्थ भवषिय के लयि सुरक्षति भोजन।' इस वर्ष का वषिय उन व्यक्तियों की सराहना करने पर आधारति है, जनिहोंने ऐसे स्थायी वातावरण बनाने में योगदान दयिा है, जहाँ कोई भी भूखा न रहे। खाद्य और कृषि संगठन (FAO) संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी वशिव जज़ता प्राप्त एजेंसियों में से एक है जसिकी स्थापना वर्ष 1945 में कृषि उत्पादकता और ग्रामीण आबादी के जीवन नरिवाह की स्थिति में सुधार करते हुए पोषण तथा जीवन स्तर को उन्नत बनाने के उद्देश्य के साथ की गई थी। खाद्य और कृषि संगठन का मुख्यालय रोम, इटली में स्थति है। 'खाद्य और कृषि संगठन' की प्रमुख पहलों में 'वशिव सतरीय महत्त्वपूर्ण कृषि वरिसत प्रणाली' (GIAHS), वशिव में मरुस्थलीय टडिडी की स्थिति पर नज़र रखना, कोडेक्स एलेमेंटरीस आयोग (CAC) और 'प्लांट जेनेटिक रिसोर्सज़ पर अंतरराष्टरीय संघ' आदि शामिल हैं।

राष्टरीय सुरक्षा गार्ड

16 अक्टूबर, 2021 को 'राष्टरीय सुरक्षा गार्ड' (NSG) का 37वाँ स्थापना दविस आयोजति कयिा गया। वर्ष 1984 के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक संघीय आकस्मिक बल (Federal Contingency Force) गठति करने का नरिणय लयिा, जसिमें सभी प्रकार के आतंकवाद से नपिटने के लयि आधुनिक तकनीक से सुसज्जति और प्रशिक्षति कर्मियों को शामिल कयिा गया। यह गृह मंत्रालय के अंतरगत कार्य करता है। सामान्यतः इनको ब्लैक कैट (Black Cats) के नाम से जाना जाता है। चूँकि राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) में अत्यधिक प्रशिक्षति कर्मियों को शामिल कयिा जाता है, अतः इसका उपयोग भी वशिव परस्थितियों में ही कयिा जाता है। आंतरिक सुरक्षा को स्थरि रखने में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) की भूमिका प्रमुख है। असाधारण स्थितियों में वशिव आतंकवाद नरिोधक बल के रूप में इनकी तैनाती की जाती है और आतंकवाद के वरिुद्ध भारत की 'ज़ीरो टॉलरेंस' (Zero Tolerance) की नीति में NSG की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। NSG में भरती भारत के केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों और भारतीय सशस्त्र बलों से की जाती है।

अंतरराष्टरीय ग्रामीण महिला दविस

ग्रामीण कषेत्रों में लैंगिक समानता सुनिश्चति करने और ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रतविर्ष 15 अक्टूबर को 'अंतरराष्टरीय ग्रामीण महिला दविस' का आयोजन कयिा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, इस दविस का उद्देश्य कृषि एवं ग्रामीण वकिस को बढ़ावा देना, खाद्य सुरक्षा में सुधार करना और ग्रामीण गरीबी उन्मूलन में स्वदेशी महिलाओं सहति ग्रामीण महिलाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका एवं योगदान को मान्यता देना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 18 दसिंबर, 2007 को अपने संकल्प 62/136 में इस दविस की स्थापना को मंजूरी दी थी। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, वकिसशील देशों में कुल कृषि श्रम शक्ति में 40% महिलाएँ शामिल हैं। दक्षिण अमेरिकी देशों में यह आँकड़ा लगभग 20% है, जबकि एशिया और अफ्रीका में कृषि श्रम शक्ति में महिलाओं का आँकड़ा 50% से अधिक है। ग्रामीण कषेत्रों में महिलाओं और लड़कियों की उपयुक्त संसाधनों एवं संपत्तियों, सार्वजनिक सेवाओं जैसे शक्ति, स्वास्थय देखभाल और बुनयिादी अवसरचना, जसिमें जल एवं स्वच्छता भी शामिल है, तक समान पहुँच नहीं है।

'लूसी' अंतरिक्ष मशिन

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने हाल ही में 'बृहस्पति' ग्रह के टरोजन कषुद्रग्रहों का पता लगाने हेतु 12 वर्ष के मशिन पर 'लूसी' (Lucy) नामक एक अंतरिक्षयान लॉन्च कयिा, जसिके माध्यम से सौरमंडल के गठन से संबंधति कई महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ प्राप्त हो सकती हैं। इस मशिन का नाम एक पूर्व-मानव पूर्वज के एक प्राचीन जीवाश्म के नाम पर 'लूसी' रखा गया है, जो क इतनी लंबी यात्रा करने वाला पहला सौर-संचालति अंतरिक्षयान बन जाएगा और यह 'बृहस्पति' ग्रह पर कुल आठ कषुद्रग्रहों का नरिक्षण करेगा। 'लूसी' सर्वप्रथम वर्ष 2025 में मंगल और बृहस्पति के बीच मुख्य बेल्ट में 'डोनाल्डजोहानसन' नामक कषुद्रग्रह पर पहुँचेगा। इस कषुद्रग्रह का नाम 'लूसी' जीवाश्म के खोजकर्ता के नाम पर रखा गया है। जज़ात हो कि बृहस्पति के पास मौजूद टरोजन कषुद्रग्रह, जनिकी संख्या 7,000 से अधिक है, हमारे सौरमंडल के वशिाल ग्रहों- बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून के नरिमाण से बचे हुए अवशेष हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि उनके पास प्रोटोप्लेनेटरी डिस्क की संरचना और भौतिक स्थितियों के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी मौजूद है।

